दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांकः 07.04.2022

प्रकाशनार्थ

दिनाांक 07.04.2022 गोरखपुर। ''युवा पीढी देश के भविष्य है। पारम्परिक शिक्षा में छात्र एवं शिक्षक में बौद्धिक एवं शैक्षिक संम्बन्धो के साथ ही समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है। आज का युग वैज्ञानिक युग है और इस युग में विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाना आवश्यक है तभी विद्यार्थी आज के बदलते परिवेश के अनुसार अपने को समाज के मुख्य धारा के साथ जोड़ पाएगें और राष्ट्र निमार्ण में अपनी सकारात्मक भूमिका का निर्वहन करने में सक्षम हो पाएगें। आज के तकनीकी युग में तकनीकी का रचनात्मक प्रयोग होना चाहिए जिससे समरस, सबल और संस्कार युक्त समाज का निमार्ण हो सके । शिक्षा के पॉच उद्देश्य है –ज्ञान, कौशल, दृष्टि, पहचान और संतुलन। इन पॉचों तत्वों से परिपूर्ण विद्यार्थी ही संतुलित एवं सशक्त समाज के निमार्ण में अपना योगदान दे सकता है''।

उक्त बातें मुख्य अतिथि प्रों. यू.पी. सिंह, अध्यक्ष, माहाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने दिग्विजय नाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में तकनीकी सशक्तिकरण के लिए निःशुल्क स्मार्टफोन से लाभान्वित विद्यार्थीयों को सम्बोधित करते हुए कही।

विशिष्ट अतिथि श्री प्रमथ नाथ मिश्र प्रभारी दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज, गोरखपुर ने विद्यार्थियों के स्मार्टफोन वितरित करने के साथ ही अपनी शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में 52.07 प्रतिशत युवा है जिनका नेतृत्व एक यशस्वी एवं ऊर्जावान युवा मुख्यमंत्री कर रहे है। विद्यार्थियों को शासन द्वारा स्मार्टफोन/टैबलेट वितरित किया जा रहा है जिससे सभी विद्यार्थी अपनी पाठ्य सामग्री प्राप्त कर अपनी बौद्धिक क्षमता का विकास कर सकेगें।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि 21वी सदी ज्ञान की सदी है और ज्ञान का नवीनतम संस्करण सूचना है। सूचना को हम संचार कह सकते है। आज संचार और बाजार संपूर्ण विश्व व्यवस्था को संचालित करने वाले नियामकीय तत्व है इसलिए आज पूरा विश्व एक परिधि में समाहित हो गया है। इस दुनिया के लघुकरण में संचार एवं बाजार की अहम भूमिका है। संचार तब तक नही पूर्ण होगा जब तक उसका प्रेषण सुनिश्चित नही होगी। इस हेतु हमें संचार तकनीकि की आवश्यकता होगी। इस तकनीकि के महत्व को समझते हूए ही उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ जी ने **'निःशुल्क स्मार्टफोन/टैबलेट वितरण योजना'** के माध्यम से युवाओं में स्मार्ट फोन/टैबलेट वितरित कराकर युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाया है। आज के करोना महामारी के दौर में यदि हम तकनीकी रूप से सशक्त नही होते तो आर्थिक लेन देन और व्यापार बाधित हो जाता साथ ही शिक्षा का नवीनतम संस्करण ई–शिक्षा भी पूर्ण नही हो पाता। इस बदलते परिवेश में विद्यार्थीयों को कौशल विकास एवं तकनीकी रूप से सशक्त बनाना ही इस योजना का मुख्य उद्देश्य है।

महाविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ. परिक्षित सिहं ने बताया कि इस योजना का प्रारम्भ 25.12.2021 को ईकाना स्टेडियम लखनऊ में 25 विद्यार्थियों को स्वयं मुख्य मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ जी के द्वारा सुशासन दिवस के अवसर पर स्मार्टफोन/टैबलेट वितरित कर किया गया। इसी क्रम में 30.12.2021 को महन्थ दिग्विजय नाथ पार्क, गोरखपुर में 101 तथा 16.02.2022 को महाविद्यालय में स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को 178 टैबलेट वितरित किया गया। आज पुनः महाविद्यालय में अध्यनरत बी.एड., बी.ए., बी.एससी.,बी.काम. के अन्तिम वर्ष के 1105 विद्यार्थियों को स्मार्ट फोन वितरित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की शिक्षिका डॉ. अर्चना सिंह के द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ सत्येन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. धीरेन्द्र सिंह, डॉ. नित्यानन्द श्रीवास्तव, डॉ. गीता सिंह, डॉ.प्रतिमा सिंह, डॉ. राम प्रसाद यादव, डॉ. शैलेश कुमार सिंह सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षण/ शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं लाभान्वित विद्यार्थी उपथित रहे।

प्रो.(ओम प्रकाश सिंह)
प्राचार्य